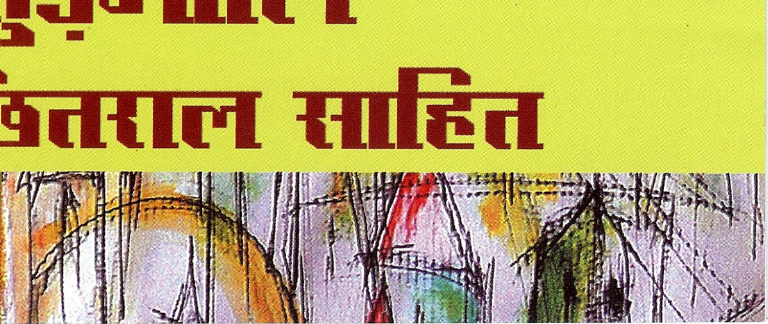


डॉ. वृंदावन महतो

कुड़मालि छितराल साहित



BVP- 1989
19/3/18

11/13

कुड़माली
छितराल साहित

कुड़माली
छितराल साहित

डॉ. वृंदावन महतो
प्राध्यापक, मारवाड़ी महाविद्यालय
राँची (झारखण्ड)

PYARA
FOUNDATION

प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन
राँची (झारखण्ड)

मूल्य : 60 रुपये

प्रथम संस्करण : जनवरी, 2012
ISBN : 978-93-81056-27-1

प्रकाशक : प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन
चेशायर होम रोड, बरियातु, राँची-834009 झारखण्ड
दूरभाष : 0651-2562565
ई-मेल : pkfranchi@gmail.com
वेब पता : www.kharia.in

आवरण : आम (झारखण्ड) 9234301671
टाईपसेटिंग : रवि प्रसाद
मुद्रक : आई. डी. पब्लिशिंग, कोकर, राँची

Kurmali Chhitral Sahit
by Dr. Vrindavan Mahto

छितराल जिनगिक छितराल साहित

झारखंड राइज कर बिसेसता आहेइक जे हिंआ कर भासाक नामकरन बेसि भागे जाति बाचि आहेइक- जेसन मुण्डा- मुण्डारी, हो-हो, संथाल-संथाली, उराँव-कुडुख, खड़िया-खड़िया तेसने कुड़मी-कुड़मालि। सभे भासाक निजेक निजेक लकसाहित आहेइन। आर कए एकटा भासा एसथान बाचि कहाइक जेसन- छोटानागपुरे- नागपुरी "पांचपरगनियां" आर हाजारीबाग बाटें 'खोरठा'। इगिलाइनकरअ भासा आर साहित चाहे जेसन भाभे हेउक एहे जातिगत भासा गिलिन लेके हेल आहेइक।

जनजातिए आर क्षेत्रीय भासा विभागे मटा-मटि 'नअ' टा भासाक पढ़ा लिखा हेइकला। जेटाएँ नअ भासाके तिन परिबारे बाँटल आथिक। एक नमबर- आगनेय भासा परिवार जेटाएँ मुण्डारी, हो संथाली आर खड़िया भासा आहेइक दुइ नमबर दरबिड़ भासा परिबार जेटाएँ- कुडुख भासा आउइएक। तिन नमबर आरजअ भासा परिवार जेटाएँ- नागपुरी, पंचपरगनिया, खोरठा, आहेइक मिनतुक कुड़मालि भासा कउ एखर संग मेसाल आथिक। जेटा एकदम भुल आहेइक। कुड़मालि एकटा जातिगत भासा हेकेइक आर सभे जातिगत भासा गिलिन आगनेअ आर नि अले दराबिड़े आहेइक। आरजअ भासा परिवार भितरे कनअ रकमेक जातिगत भासा

झारखण्डे नि पाउआइक। देसउ बधे नेखेइक।

कुड़मी एकटा जन गसठिक लग हेकत। एरा एक समइए मुण्डा, उराँव हो संथाल खड़िया संगइ रहल बसल आर एक रकमेक संसकिरिति के मानइआ हेकत। समइ समइए एखर संगेइ कखनअ एबरजिनल टाराइबस त कखनअ पिरिमिटिभ टाराइब कहाइत रहत। मिनतुक एहे टाराइबस के 1956 साले जखन अनुसूचित जनजातिक सुचित्र सुचिबध करेइत रथिन तखन कुड़मी छाड़ाला कुड़मिक संगे संगे ढेइर छाड़ाल रहत जेसन-महली, कल, पातर बेंटाकार, भकता, लोहार, हेन तेन। किछु गिला एखन जनजाति सूचित्र जड़ाते जातला।

कुड़मालि भासा एकटा अंतर राइजिए भासा हेकेइक जेटा-झारखंड, बंगाल, उड़ीसा आर आसामें कहल जाइक। कुड़मालि भासाक लक साहित बेजात्र विकसित आहेइक। कुड़मि जाइतेक जिबनेक आधारेइ हेलेइक लक साहित। लक साहित करे एकटा- भाग हेलेइक 'छितराल' (प्रकीर्ण) साहित। छितराल साहिते छुटु-छुटु डाँड़ि, चाइर डाँड़िक गित जेटाएँ छउआ खेला गित, लकेक उकति, मुहजरा, मंतर-झंतर गिलन रहेइकला। कुड़मालि 'छितराल' बने-बादाड़े डीह, डाह, डुँगरि गाँउए-घारे छउआ ले बड़े तक कर मुँहे सुनाइक। इटा के हिंदी साहिते 'प्रकीर्ण' साहित कहथिक। छितराल साहिते जे लक काथा, लक गीते, लक नाटक, लक गाथा आर लक आख्यान कर बादे आउएइक से साहित के इटाएँ समटल जाइक।

डॉ. वृंदावन महतो

तारिबत

इंसानी समाज कर अनुभवेक दायरा बिसाल आहेइक। जे समइए इंसान के इंसान हेक बोध हेलेइक तखन ले लेकरि आइज तक अकर विकास कर जात्राक व्यापक अनुभव के सहेजेक काम एखनो अपूर्ण आहेइक। इंसानी जात्रा कर कए टा अनुभव त हेराए सिराल आहात आर कए एकटा लक साहिते सुरक्षित आहेइक। आधुनिकता कर प्रसार कर संगे एखन लक सहितो विस्मृत हेले जाइकला। आर एसन प्रतीत हेइकला जे आपन पुरखा-पूर्वज कर बेजाञ सार्थक अनुभव के कखनो जाने नि पाउबिहक। इटा त रिझेक काथा जे औपनिवेशिक गुलामी कर दिनोउ पेहिल विदेशी फिर देशी विद्वान कर धेआन लक साहित बाटे गेलेइक आर एकर संरक्षण बा दास्तावेजीकरण कर प्रयास हेलेइक। झारखंड माहान लक सहित कर संकलन कर श्रेय ईसाई मिसनरि कर जाइकला, जाकर श्रमसाध्य कामेक खातिर हामर अध्ययन जालाएँ कठिन टा सरल हेइकला। हलउ झारखंडी समाज कर पासे लक साहित कर विशाल आर समृद्ध थाती आहेइक। जाकर एकटा बेजाञ छटे भाग के हामरे संरक्षित करे पारले आइहक। संरक्षण आर अध्ययन कर दृष्टि माहान लक काथा आर लक गीते ठीक-ठाक काम हेइकेला मिनतुक प्रकीर्ण साहित एखनअ लक जीबने बिखरल आहेइक।

डॉ. वृन्दावन महतो कुड़मालि भाषा साहित कर चितेरा हेके। कुड़मालि लक साहित के संकलन आर अध्ययन कर दिशा माहान एञ महत्वपूर्ण काम करल आहे आर लक सहित माहान एखन तक दुइ टा किताब आउअल आहेइक। एकर इटा तीसरा किताब कुड़मालि लक सहित कर प्रकीर्ण साहित हेकेइक। प्रकीर्ण साहित जेसे नामे जानाइक- बिखरा साहित, छितराल लक साहित। प्रकीर्ण साहितेक भीतरे लकोक्ति, मुहाबरा, मंत्र हेन-तेन लक साहित अउएकइक जेगिला लक काथा, लकगीत, लकगाथा- लक नाट्य आदिक भितरे नि आउएइक।

एसनउ लक साहित कर भीतरे इंसानी समाज कर सभे अनुभव के समटाए पाना कठिन आहेइक आर न लक सहित कर कनअ वर्गीकरण माहान पुरा-पुरी राखल जाए पाराइक। हलउ विद्वान अध्येता डॉ. वृन्दावन महतँए कुड़मालि समुदाए छितरल लक साहित के "छितराल साहिते" समटेक इमानदारी प्रयास करल आहे जेटा अति श्रमसाध्य आहेइक।

मके विसास आहेइक कि झारखंडी समाज कर विभिन्न समुदाए बिखरल आर कनअ वर्गे नि समाहित हे पारेक लक साहित कर अध्ययन खातिर इ किताबे मदद पाउआतेइक आर आउए वाला पीढ़ी अध्ययन परमपरा के आघुउआवेथिक। कुड़मालि लक साहित कर अध्ययनेक खातिर आर संकलन कर खातिर इटा अनुकरणीय आहेइक।

रोज केरकेट्टा

विषय अनुक्रम

मुहजरा (मुहाबरा)

1. आंइख फुटल	- जलन, इरसा
	(चेनगा, कुकुर कर आंइख फुटा)
2. आइग मुतिके कइला करा	- फुटानि।
3. आंइख उठल	- आंइखेक रग।
4. आइग लागा	- झागड़ा लागा।
5. आंइखे धुरा देउआ	- धखा देउआ।
6. आइगेक भाइ लुआठि	- एक निआर।
7. इजर गाते कारि	- बेस लग के बदि।
8. एक आंइखे काजर,	
एक आंइखे सिंदुर	- एक समान नि देखेक।
9. कापाड़ फाटल	- आभागा।
10. कमिआ के पाहाड़े भात	- खाटेइआक फिकिर निहिं।
11. कानि कउड़ि	- एक पएसाउ निहिं।
12. कानाक ठेंगा	- आसल संगि।
13. कानेक सना	- पेआरा।
14. करम बाम	- बिपति।
15. कुंदल काथा	- जड़ि के कहा।
16. काठ फाड़ा जबाब	- आंटे आंट उत्तर।
17. कादा उड़ांइआ	- फालतु काथा कहा।

18. खुखड़िक गड़े तेल - छटे लग कउमलेक।

19. गात जरि उठा - राग करां

20. गंगा पाउआ - मरेक।

21. गरिबेक राग पेटेइ पचेइक - भुखा के सउब सहे हंइक।

22. गजा बएसे मरेक - असमइए मरन।

23. घेंचाक माला - आदरेक जिनिस

24. घाम गारल धन - खाटल धन।

25. घाटेक पाथर - सहइआ।

26. चटेइ चाउर - तुरते कनअ काम नि हेउआ।

27. चट मगनि पट बिहा - बेस काम चाँड़े करेक।

28. चुटिआ गिरले राम-राम - मतलबि।

29. चरे सुनेइ कॉहु धरमेक केहनि - चर के उपदेस देउआ बेकार।

30. चल कहलेइ कांधे झुलि - तुरते तेइआरं

31. जिअंत जम - जिधाह।

32. जतना खाए अतना लालाए - जतना पालउ मन निभरेइक।

33. जेंए सहे से बड़े - सहे पारा लग बड़ें हेत।

34. जमेक हाथ बड़ें - मरन लेक केउ निबांचत

35. जाइत जाएके पेछु बुइध - खाए के जाइत पुछा

36. जाकर घारे ताकर बाहिरे - धनि लगेक सभे ताहाँ मान।

37. जए नितर खए - मारिहिं नित मरे।

38. जुंठा खाए पिठाक लभे - बेस जिनिसेक लभ।

39. थुंकि के चाटा - कहि के निकरा।

40. थेइला थुकड़ि - सभे जिनिस ले के।
41. धरम के जमे डाराइक - धरमेक डहरे चलले भए निहिं।
42. निजेक सिंग मारि कडि खाउआ - निजेक करि खाउआ।
43. नाक रगड़ा - घुरि फेरि, बिनति।
44. निजेक गड़े डाँड़ा - काकरअ भरसा नि करा।
45. नाक सिठकां - पसंद नि हेउआ
46. पिठे मारि अठे चुमा - उपर चिकन काथा।
47. पेट फुटा - बेसि खाउआ
48. पेटे नि पचेइक - नि कहेक काथाउ कहा।
49. पेट माधुआ - जाकर ताकर घारे खाऐक।
50. पातेइर चाटा - जुमड़ि।
51. पस माना - अधिने रहा।
52. पसल कुकरे काटा - जाके दे चालालेसिक से बादि।
53. पानि पाउलि - छउअएइल माएँ हेउआ।
54. पेट भरल - खुसि।
55. परेक भाते धुरा - दसर कर हक मारा।
56. फाटल मुँह - बेलागाम।
57. बाप ले बेट चाइर गुन - बाप ले बेसि बेटाक कामाइ।
58. बाजार ले गाजाड़ बेस - भिड़ ले एका भालअ।
59. बिना पानिज बहालाक - ढुप हेल।
60. बेपारे आपार - बेपारे धन बसि।
61. बिहा घारे माँड़ - सँचल ले दसर।

62. भेइरता करा	- दनचक माइर।
63. मुँह लुकालाक	- लाजे मारा।
64. मुँह फुलालाक	- मन गसअ।
65. मुँहे कुलुप	- काथा हका करा।
66. मुँह करा	- जबान लड़ाइआ।
67. मुँह बाजाइआ	- बहस करा।
68. माएक थन काटा	- निजेक खति करा।
69. मचे ताउ देउआ	- बिसास कर साथे कनअ काम हेउआ।
70. रागेक गुरू नेहि	- रागे आँधार देखा।
71. सिआरेक गुह परबते नि	- दरकार हेले कनअ जिनिस पाअआ
72. सना छुले माटि	- बेस करे खजलउ मनदअ।
73. सनाक थाराएँ दुध-भात	- आसिस देउआ।
74. हत भागा	- आभागा।
75. हा फाड़ि राखा	- दसर कर आसा करा।

लकअकति

1. आपन हाथ, जगरनाथ	- निजेक उपरेइ भरसा।
2. आपन काथाएँ तरि, परेक काथाएँ मरि	- बिचार सभेक सुने, करें निजेक बिचारे।
3. आधुक घड़ा न पेछुक लेड़हा	- हड़बड़ाएक ले आसतेक काम बेस।
4. अरजे भागउआएँ, खाए धतिआंए	- करत केउए आर खात केउए।
5. आंख गिरले दबड़ आर धान गिरले गबर	- केतारि गिरले दबड़ आर धान गिरले नकसानं
6. आपन संचअ परेक नचंअ	- निजेक रहेइत के दसरेक टाक भग।
7. आपन घारे कुकुर राजा	- घारे सारे सभे बिर
8. अभाबे सभाभ नसटअ	- अभाबे झागड़ाक कारन
9. आमे बान, तेंतेइरे टान	- आम फरले धान हेइक, तेतेइरे टान हेइक
10. आपन बुइधे तरि परेक बुइधे मरि	- निजेक बुइध रहेइतके दसरकर बुइधे निचलेक।
11. आम पाकले मिठा, मानुस पाकले तिता	- आम पाकले सउआद लागेइक आर लग बुढ़ा हेले तिता (जिउ) हेइक।

12. आंगा गुने पांगा लहा गुने टांगा - गुनेक हिसाबे जिनिसेक दाम

13. आइग कांहु अदा, - समइ आउले सभेएं निजेक
न राजा कांहु दादा रूप देखाइक।

14. आंधार घारे गांदार-गुदुर - चुपे चापे गुटु करा।

15. आनका खेति आनका गाए, - धरम करले धाका खाए।
खेदेइआँए माइर खाए

16. आकालेक बर चांड़े बेटि बिदाइ कर- सुभ काम चांड़े केरक चाहि।

17. आदाक बेपारे जाहाजेक खबर - काम धाम कनअ निहिं,
खज खभर बेसि।

18. आइग लठअ, महुआ जठअ - आइग पास बसले उठेक मन
निकरेइक तेसने दारूञ
आपन बाटे टानेइक।

19. आर मुडरा बेलतर - एक धाँउ फुचकल बादे आर।
(दसर धाँउ भुल नि करेक)

20. आघाल बकलि पठि तिता - पेट भरले सउआद निहिं।

21. आपन गुने भात खाए, - आपन बुइध रहले दसरेक
आर परेक गुन लाइत खाए बुइध निलेक चाहि।

22. आन गरू आन सिंग, - लगेक जिनिसके रूप बदलि
हार जते राम सिंह काम करा।

23. आकासे बेइल पाकले - पंहुच लेक बाहेइर
कउआक बापेक किना जाइक

24. आपन भाखिञ कहा काथा, - निजेक भाखि के आदर करेक।

तबे रहतउन उचँ माथा

25. उँच कापाड़ि चिरून दाँति, - एसन जेनि वेस निहिं।
भालु गड़ि भातार नासि

26. आधुञ चलले बाघेक डर, - कनअ बाटे सुख निहीं।
पेहुञ चलले भुतेक डर

27. आपन धरमे सरगबास - परेक धरअमे गति नाइ।
परेक धरमे सभे नास

25. इ बाञ चाबले उ बाञ दुखाए - चाइरअ बाटे कसटअ।

26. उपरे टिका-फका, - सुखल फुटानि।
भितरे महुआ पका

27. उधारे रहम - काकरअ संग
न काकरअ काथा सहम कनअ मतलब निहि।

28. उपकार के बाटे मारे - जेंए करि देइक ताकेइ धखा।

29. उजड़ गांउए मुरेइ माहतअ - जाहां केउ निहिं तांहा
साधारन लगेक माइन।

30. एंडरि बने बिलाइ राजा - आंधाए काना राजां।

31. एक आंइखे काजर - काना भाग करा।
आर एक आंइखे सिंदुर

32. उजड़ाए के गांव घार, - सउब सिराए के फुटानि।
हाथि हेलि जमिदार

33. एसउ रिन, असउ रिन, - रिने असानति।
एक खेंचा माछउ रिन

34. एक पुत न चुलहांए मुत - साधेक एकटा बेटा उतपाति हेए।

35. एका आर बका - एक लगेक बिचार बेस निहिं।

36. एक माघे जाड़ नि पाड़ाइग - कनअ लगेक संगे एक धाँउए कान नि पाइराइक आरअ दरकार हेइक।

37. एक पंथे दुइ काज - एकटा कामे जाएके दुइटा काम करि आउआ।

38. एक लुआठिञ नि सिझेक भात, आर एक कुंजड़ाए नि लागेइक हाठ - एका कांहु कनअ काम हेल आहेइक।

39. एक भेड़ि भेभाए मरे, ढेइर भेड़ि पकाए मरे - अति टा बेस निहिं

40. एक बहुञ ठाकुर, दुइ बहुञ कुकुर, तिन बहुञ भालइ भाकार-भुकुर - एकटि बहु रानि, दुइटि हेले कुकुर आर तिन टि हले काम छाड़ि करत भाकार-भुकुर।

41. कन बिहांए दुइ गड़े आरता - छुटु छाटा कामउ साजन दाजन।

42. कल कुड़मि कड़ा, बेद-सासतर छाड़ा - इ जाइतेक बेदे बाखान नाइ।

43. कउआ, नउआ, सिंगार, तिन बेड़ि तर काल - लभि लग संग बांचिके।

44. कापाड़े ना घि, ठकठकाले हेतउ कि - भाइगे नि हले नि पाउआइक

45. कल, कुड़मि भाइ-भाइ एके पांइते भात खाए - कल कुड़मि एके खुरेक।

46. कने जानए बिहा घारे माँड़ - बेकार आसा करा।

47. कढ़हि सुते अढ़हि-पढ़हि, सेआन सुते भरसि भरि - कामचर

48. कसटअ करले किसटअ पाउआए - मन दे के काम करले फल बेस पाउआइक।

49. काम करबे अंग लागाए, डहर चलबे संग लागाए - मन दे के काम करेक।

50. काना कनकनाए, बेइहरा अनाए - नि हेक, काम करा।

51. कानाक हाथे ठेंगा - बे लुरिआ के काम देउआ।

52. काना गरू बाभन दान, बाभने कहए चांड़े आन - बेकार जिनिस कर दन करा।

53. काना आपने जाना - भुल करले डर रहेइकला।

54. काम पेआरा कि चाम पेआरा - अंगेक गुन देखत

55. काल कुदरा बाड़िक भुत, चेनगा दे चाप चुप - बड़े गतिआ के बेंस के बधे हेइक।

56. कामेक मात्र भितरि, बेटाक माँए बाहरि - काम कराक दाम आहेइक।

57. कुड़मिक बुइध पेछु बाटे - जाइत जाए के बुइध बाहराइक।

58. कुड़मिक धन दिजाए नि त मिजाए - कुड़मिक धन दिजाए खात नि हले गलत कामे खरच हेइक।

59. कुमहेइर करअ सेइनपात - जाहां जे रहल आहे ताके कनअ रकमेक कसटअ नि हेइक।

60. कुकुरेक पेटउ घिउ पचेइक - तिरपड़िआ लगकर पेटे काथा निपचेइक।

61. कुंआक बेंगेक कतेक बुइध - घार ले नि बाहराल लगे देसेक बारे किना जानताक।

62. कुकुर भुकले काँहु बादेइर फाठेइक- गरिब बा छुटु लगेक काथाक कनअ दाम निहिं।

63. खाटबे त चाटबे - काम करले फल पाउआइक

64. खिस खाए निज के, बुइध खाए पर के - रागे निजेक हानि हेइक।

65. खेड़ाक डेगबाइ न कुकुरेक मुतबाइ- कामेक खन बाहना।

66. खुखड़िक गड़े तेल, न कइला संगे मेल - छटे जिनिसेक बड़े संग मेल नि हेइक।

67. खुंटाक बले पेइड़का नाचे - मालिक कर बले नकअरे बल देखाए।

68. खाए हेलिस ताँति ताँत बुनि काल हेलउ एंड़िआ बरद किनि - निजेक दसे मरन।

69. खांखड़ाक पिठ पड़ले खाँखड़ाए जानए - जाकर कसटअ हेइक तेएँ जानए।

70. खाटि भरे गरिब लग बाभन मरे हिक तक - केउ करे आर केउ खाए।

71. खाए हेउक साग भात, पिंधे हेउक सादा
चलि जाबे अहे डहरे जन डहरे बाप दादा
- निजेक चारि के बाँचाए राखा।

73. खाँखड़ा उँडुञ सामालाक साँप, साँपे कहए मँए खांखड़ाक बाप - गरिब के अमिरे सभे खन साँतालआथिन।

74 गहुँम संगे घुनअ पिसाइक - संगते लहा भासेइक।

75. गँएठा पड़े गबर हाँसे - निजेक लगेक कसटअ देखि हाँसि।

76. गउआरेक गाइ, धबिक लुगा, जेंए किनबेहेन सेंए बुझा - एखर जिनिस किनले पसतान सुधां

77. गंगाक जातरा आर मसिकरअ बातरा - एक संगे दुइ काम।

78. गरिब दसा, सतगुन नासा - गरिब कहलइ सउब सिराइक।

79. गाइएक घिउ गाइएक सिंघेइ लागेइक - निजेक जिनिस निजेक कामे लागेइक। (गाँउएक कनेआ सिघन नाकि-पासेक जिनिसेक कनअ दाम निहि)

80. गाइएक कान काटि कुकुर के देउआ	- बेस जिनिस नास करि खराब जिनिस किना।
81. गाछे कंठर अठे तेल	- काम ना हेइत केइ सपन देखा।
82. गुंदलि सड़े त धान झड़े	- बेसि पानिञ धान हेइक।
83. गुंदलिक जालाँए माँचा, ढेपचुक जालाएँ खाँचा	- छटे जिनिस बांचाएक जालाएँ बड़े-बड़े जजना।
78. गुन रहले दाँजाए, आर चुइल रहले बाँधाए	- गुनेक दाम सभे ठिन।
79. गरिबेक राग पेटेइ पचेइक	- गरिब के सउब सहि के रहे हेइक।
80. घारे भुंजल भाङ निंहि मिञाए मागे चिउरा	- नि बुझि काम करा।
81. घारेक भेदिआ लंका डाहे	- भाइ-भाइक झागड़ाए घार नासे।
82. घातेक चास न बेघातेक बास	- ताक जानि के काम करेक।
83. घारे नाइ बाघ तअ सिआरे कइए हुलमाल	- घारेक मालिक नि हले घार हुलका हेइक।
84. घारेक काठ दिञाए खाए	- आपन रहेइत के दसर कर ताका।

85. घारे ना भात, दुआइरे बाजाए ढाक - सुखल फुटानि।

86. चरेक धन न मादइरेक पेइला - अबहेलाक धन जेसेइ आउलेइक तेसेइ सिरालेइक।

87. चरे गेलि, न चंथाए आउलि - लाभ ले हानि बेसि।

88. चट मंगनि पट बिहा - बेस काम झट ले करेक।

89. चलबअ नि करबे
आर बाटअ नि छाड़बे - निजउ नि करेक आर काकउ नि करेदेक।

90. चुतराएँ त चाम नि सेनापतिक नाम - बेलुरिआ।

91. चरनि गाइए चराए खाए
साउद गााइए माइर खाए - गलत काम दसराँए करए आर साजा आन लगे पउअए।

92. चलले चालिस बुइध
ना चलले हत बुइध - धन हेले सभेक बुइध बाहराइक।

93. चरा गरूक बांउरि बागाल - पुलिसेक आसि बुइध त चरेक चउरासि।

94. चासा चिनहाए आइड़े,
ताँति चिनहाए पाइड़े - कामेइ लगेक चिनहाप।

95. चासे रूप नासे - चास करले गातेक रूप रंग नि रहेइकला।

96. चांड़ेक काम भांड़ेक - हड़बड़ाए के कनअ काम करले बगड़ेइक।

97. चाइर आनाक नुन
चउदह आनाक झुन-झुन - आमदानि ले खरच बसि।

98. चटे चिउरा - झट करि फलेक आसा।

99. चासाएँ खजे डिमनि, आर घासिञ खजे कुमनि	- पेसाक हिंसाबे तिउर करा।
100. चुइल गरिआएँ बांधे जानए तेल गरिआए राधे जानए	- जाकर ताँहा जेटा रहेइकला ताकर मरम तेएँ जानए।
101. चेंकाक डरे पाराए न तेतेइर तरे बासा	- जाके भए करेइक, सेकरे पास जाए।
102. छटे देखि आढ़ाए बड़े देखि ढ़ाड़ाए	- छुटु छउआक बदमासि माफ करा।
103. छिटकाल पानि बाझाल काथा	- आझान- बाझान करा।
104. छुछा के कने पुछा	- गरिब के केउ नि पुछथिन।
105. छुछुआ मारि हाथ गंधअ	- रिचिक काम करि बदि लेउआ।
106. जंदे जदे पानिक सत तदें तदें कुड़मिक जठ	- चासेक जालाएँ कुड़मि पानिक धाइरे-धाइरे बसत।
107. जतेक खाए ततेक लालाए	- जतना देक अतना लालाए।
108. जाकर मुंह, ताकरे बाड़ि	- मुंहेक बलेइ सासंन।
109. जाकर गेंइठे सना ताकर फिकिर किना	- लेएआकइत जाकर ताकर कनअ चिंता निहिं।
110. जाकर कहना ताकेइ साजेइक, आन लकेक ठेरका बाजेइक	- जे जिनिस टा जाहाँ लागेक ताहाँइ लागाएक चाहि।
111. जाकर बांदर तेएँ नाचाउक	- जाकर जन टा पेसा ताकेइ सभेत्र्इक।

112. जाड़ गेले जड़उरि बसि गेले खँसा - बे समइए काम करा।

113. जाकर खातिर चरि करँ, - करि देलउ बदि।
तेंहि कहए चर

114. जाकर जतना जहद - बड़े लगेक काथाइ आलादा।
ताकर ततना महत

115. जाकर भाभना जेसन, - मने जेसन जागेइक काम
ताकर भगबान तेसन तेसने हेइक।

116. जांचले जांउआइ पिठा नि खाए - खसामद करले खाए निहिं,
भिनसारे ढेंकि चाटे जाए भुखे ले निजेइ बाँटि खाए।

117. जए लड़हा तए परबत - निजेक निजेक मछे ताउ।

118. जेठिन सुइ निहि से ठिन फार - छटे जिनिस जाहाँ नि धराइक
ताहाँ बड़े जिनिस के राखां

119. जेठिन गबर सेठिन दबड़ - साइरेक हिंसाबे फसल हेइक।

120. जेसन देस तेसन भेस - जाहाँ जेसन नियम असने माने हेइक।

121. जे पातेइरे खाए - जाकर खाताक ताकेइ बदि
सेइ पातेइरे हागए देउआ।

122. जेसन भुत तेसन पुजा - लग अनुसार मान-समान।

123. जेनि आर पानि - इ दुइअ के बुझे पाना मसकिल।

124. जिउ ना जाए छटपाटिक साध - आखिर तक आसा करा।

125. जे सहअए से रहए - खाटइआक पाहाड़े भात।

126. जाके करे छि-छि सेइ हे घि - जाके गाइर देइक सेएं काम करे।

127. जाकर बिहा ताकर मन निहिं पास पड़सिक घुम निहिं	- जाकर काम से चुपे आहेपासा-पासिक लगेक हड़बड़ि।
128. जाकर सेइरसा ताकर तेल	- जाकर जिनिस ताकरे अधिकार।
129. जाड़ेक पानि आर बेरसाक छानि	- असमइएक जिनिसेक कनअ दाम निहिं।
130. झाड़ गुने झिंगा	- जेसन गाछ तेसन फर।
131. टाका आर फांका	- टाका पएसा दुइ दिनेक।
132. टाकाएँ नेखेइक रस, टाकाएँ करेइक दुनिआ के बस	- धन समपति करे महत आहेइक।
133. टेटकाक दउड़ झांटितर	- हिंसाब लेक बाहेइर जाए नि पारए।
134. डहर चलबे संग लागाए काम करबे अंग लागाए	- मन लागए के काम करेक।
135. डहर देखाबे त आधुज चल	- धरम करले धाका खाए।
136. डंगुआ जेनिक घार आर दामड़ा गरूक हार	- जे गिलिन कनअ कामेक निहिं
137. डाइनउ सात दुआइर छाड़ि खाए	- निजेक जिनिस बाँचाएक।
138. ढँड़ कुड़मि एकासि, सन कापाटि तिरासि	- संइखा अनुसरउ जाइत धराइक।
139. ढाकेक पासे बांसिक बाज	- बड़ेक पासे छटेक किना दाम।
140. ढाकेक बांउआ कने पुछए	- बका लग के कने पुछेइन।
141. ढेइर सुनदरिक जाइत निहिं, ढेइर कमनिक भात निहि	- अतिटा कांहु बेस निहि।

142. ऐलकाएँ ढेलका भांगेइक	- जाइत के जाइतेइ काटेइक।
143. ढेइर बुइधे नाके दड़ि	- बेसि बुइध टाउ बेस निहिं।
144. ढेइर बुड़हा, हॉड़ि ढुंड़हा	- उमेइर बेसि हेले लभि हेत।
145. ढेइर काठे महुआ सिझे आर ढेइर काथाएँ कुड़मि बुझे	- महुआ जेसन तुरते नि सिझेइक, तेसने कुड़मि तुरते निबुझत।
146. ढेइर पएसा मसिक बिहा	- फालतु खरच करा।
147. तरे पाटि तरे लड़हा, ताकेइ भाँगअ दाँतेक गड़ा	- जे पातेइरे खाए सेइ टाह छेदा करए।
148. तेलिक गरु करअ आमास	- कलहुक गरू हेउआ।
149. तिले तिले तालाब भरेइक	- एकेक पएसा करि धन जामा हेइक।
150. तांतिआ ठारअ करेइ एक आर ठानइ एक	- दसर काम करा आर दसर भाभा।
151. तेलुआ मुंड़े तेल, रूखा मुंड़े खेइर	- जाहाँ दरकार निहिं से ताहां देउआ।
152. थाकबे बेटि सहि, सभे जातउ बहि	- सहि रहले सभे दुख जाइक।
153. थिर पानिञ पाथर काटेइक	- धिरेक काम सए जाइक।
154. दस लगेक गजा एक लगेक बझा	- जे कनअ काम एका जालाएँ कसटअ हेकेइक।
155. दुधारि गाइएक माइरअ सहि लाइतअ सहि	- काम करा लगेक सभे काथा सहे हेइक।

157. देखाए चक चक - उपरे चिकन चाकन
बासाए भक-भक भितरे मदरभंग।

158. दिकाले न फाकले, रूसले त घुसले - रागेक दिके काम गड़बड़ाइक।

159. दिन आउक ताउ रिन ना हेउक - कनअ रकम दिन काटा।

160. दिने जगि राइते भगि - ढंगि लग।

161. दुसमन के उँच पिढ़ा - दुसमन घार आउले आदर करेक चाहि।

162. दसेक दस नेखेइक - दस लगे कहले कन दस निहिं।

163. दाताएँ दान करेइ, भांड़ारिक पेट फुलेइक - दान करल देखि आन लगेक कसटअ हेइक।

164. दुइ पएसाक खुखड़ि, चाइर पएसाक पुदगनि - जतनाक जिनिस निहिं अकर ले बेसि खाटानि।

165. दाढ़ि बाढ़लउ मथेक हेठेइ - गरिब लगेक पास पएसा हेलउ सभाभ नि बदलेइक।

166. दुखेक उपर पाचर - जखन दुःख आउएक तखन चाइरअ बाटेले आउइएक।

167. देलाक गरू हेला - फिरि पाउअल जिनिसक सकदरद निहि।

168. देस गुने भेस - जन जाएगाक जे रित अहे संगे रहा।

169. दहराए देखें, तबे सिंखे - घुरि-घुरि कनअ काम करले सिखाइक।

170. दड़ह रहले कनेआक महरंग	- कनेआ सुंदर रहले बरेक अभाभ नि हेइक।
171. धरले चर, नि हले गागाए मर	- चर नि धराले राजा बराबर।
172. धाँउले धन नेहि हिसाकांए पुत निहिं	- लगेक देखि हिसका करले कनअ नि पाउआइक।
173. धरि बाँधि बिहा मन सउदा सांधा	- कनअ काम जर करि नि करेक चाहि।
174. धाधाल मुसा, भुञे छाड़ि टुञे करेइ बासा	- बदमास लगेक उलटाइ काम।
175. धुरा गुंड़रिञ कहेइ, आंतअरे सात लाल बहेइ	- जतना भरसा निहिं ताकर ले बेसि सचेक।
176. धाउत कर ठिंग-ठिंग, आर बांचे तिन दिन	- मरेक मुँहे।
177. धिक रे जिना, बाँचिके करम किना	- जिबनेक कनअ दाम नि रहले बाँचि रहा बेकार।
178. नदि धाइरेक चास मिछाइ करे आस	- नेदि धाइरेक खेतिक आसा करा बेकार।
179. नखेक काम कदाइरे	- छुटु कामेक जालाँएअ बड़े जिनिसेक दरकार।
180. नरेक मन नाराएन	- केउ काकरअ मनेक काथा नि जानत।

181. नाउआ धानेक पुरना भुसि - आपन मनेक मतन
जा करे आपन खुसि काम करेक।

182. ना पुरूस के नातिआ भातार - जाकर पुरूस निहिं ताकर नाति मातार।

183. नाचे नि जानए मादरिआक दस - कामेक लुइर निहित बेइसलाक दस।

184. नाम गह गह पेचा राजा - बका मानुस।

185. नाना मुनि नाना मत - सभेक भिनु बिचार।

186. नापेक नि ताकर फाटल पेइला - करे निपारले लेकक दस।

187. निजे ना मरले सरग देखा नि हेइक - निजे कराइ बेस।

188. नि देउअइआक ढेइर बुइध - देक खातिर बाहना करा।

189. नि खाउअइआक धन सरग ठेगेइक - चिमपुट लगेक बेजाञधन

190. निजेक दहि के केउ चेंका निकहत - आपन जिनिसे दस नि हेइक।

191. निजेक समइए बेञअ सुंदर - लगेक सभे खराब निजेक समए सउब बेस।

192. नि मामा के काना मामा - कनअ निहिं से जाएगाँए रिचिक टाउ बेजाञ।

193. निरधनिआ धन देखे दिने देखे तारा,
निरबंसिआ बंस देखे राइते देखे पारा
- आचकेइ कनअ पाले लग बआत।

194. पसल कुकुर काटा - जाके दे चालालेञ सेंए आज करे सेखि।

195. परेक देखि करे हाए जे रहे से ह जाए - दसर के देखि जलन।

196. परेक मांगा आर निजेक भांगा - परेक ले करि निजेक नास करा।

197. परेक धने बिकरम राजा - दसर कर धने मुसिआनि करा।

198. परेक भरसाएं ढिढ़रा भातार - दसर कर आसा करा।

199. परेक बाड़िञ खेड़ा चाबा चाबि - परेक धने झागड़ा।

200. पर आसरा गतअ धन - लगेक धने आसा।

201. पएसा न कउड़ि
बिच बाजारे दउड़ा दउड़ि - कानि दकड़ि निहि
अप बाजारे कुदा कुदि।

202. पहिल मखरि तबे छकरि - लाइकमान बनल बादइ माँग।

203. पाकतेइक ताल से अनेक काल - आसाएँ जहि राखा।

204. पारंअ चाहे नि पारंअ मुँहे काहे हारंअ- काम निमिनतुक फफरदारि।

205. पुत खजे गेलि न पुरूस हेराए आउलि - लेनि कर देनि।

206. पिंधेक नि भागुउआ,
बापेक नाम रघुआ - नेखेइक कनअ मिनतुक
फुटानि बेजाञन।

208. पुतलिञ एतना
त लांहगांए कतना - छटेएं एतना,
बड़े हेले जे आरं कतना।

209. पेट पुराएक नुन नि
परधान घारे बासा - खाएक कनअ निहिं
आर उचँ काथा।

210. पिआए से बिआए नि - जे गरजे से बरसे नि।

211. पेट बिगाड़े मुंड़िह
घार बिगाड़े बुढ़ि - मुडिहञ पेट बगड़ाइक
आर बुढ़िञ घार बगड़ाइक।

212. फड़ा फुटले दुखः बिसरत - काम हेल बादे लग भुलात

213. बिलाइएक मरन चुटिआक नाच - सतरू मरले खुसि मानाएक।
214. बसल ले बेगारि बेस - जर करि काम करेक लेक बसि रहल बेस।
215. बहु करबाहान छपरि, घार देखि झपड़ि - आपन लेक कमजर घारे बिहा करले मान सम्मान रहेइकला।
216. बाहरे कुड़मिक जिउ, एक सेर नुने तिन सेर घिउ - एक खेजा माद्देक जालाएँ सारा दिन खाटा।
217. बापेक नाम साग पात बेटाक नाम मिठाइ दास - बाप ले बेटा चउगुन।
218. बांझिञ किना जानए जनमाएक हाल - जेंए कनअ काम कनअ दिन करल नेखे अँए मरम नि जानताक।
219. बारहाक हिसकाएँ भालुञ धान खाए- दसर के देखि नकल करा।
220. बापेक .... बेटाक उदए - बापेक अरजए बेटाएं उदाए।
221. बाड़ि हेठेंक खेति, दुरिआ देसेक बेटि - आदरेक।
222. बाँध धारे चास, बंधुक संग बास - जे कनअ समइए सेंस हेइक।
223. बासि भाते नुन नसटअ - छटे जिनिसेक जालाएँ खाटि मरा।
224. बासि रहले कुकरे खाए - बेकार जिनिस।
225. बिना फुंकले बाँसि बाजेइ - कसटअ ना करले किसटअ नि पाउआइक।
226. बिन पेंदिक घटि - कखनअ हिंदे कखनअ हुँदे।
227. बिहा जाएके छामड़ाए लाइत - काम सिराल बादे ....।

228. बेपारे आपार - बेपार कराक बेजाञ धन।

229. बेटि जामाइ बांका काठ, असमइए हाट जात - असमइए काम करा।

230. बड़अ बड़अ उँठ बहाला, गाधाएँ कहेइस कतना पानि - मसतअ जुआन गिलिने हाइर मानला बुतरूञ चेसटा करेइस।

231. बाँस बने डम काना - बेसि हले अकबकात।

232. बिधिक बिपाके मुंडा सिथाने साँप - भगबाने क आसिसे कनअ नि बगडेइक

333. बिधिकर संजग, काकर धने काकर भग - भाइग के केउ नि बदले परत।

234. भादउरे पिताल बरद, अघअने पिताल मरद - मासेक अनुसार लग डाँगर कर डुम दुमि हेइक।

235. भात रहले कउआक आकाल - धन रहले कनअ जिनिसेक अभाभ नि हेइक।

236. भुञ रहेइत के भुखे हेउआ - कढ़ि लग।

237. मने खजेइ धन, त देए कन जन - मनेक मतन कामनि हेइक।

238. मकरे पानि टिकरे धान - मकर परब दिन पानि करले चास बेस हेइक।

239. मरलअ हाथि साउआ लाख - दामि जिनिसेक नसटअ हेलउ किछु दाम पाउआइक।

240. मरि त मरि नि छाड़म काम धरि - धरल काम आखिर समइ तक करा।

241. मांएक घेंचाए खाटि डरा, - बहु आउलेइ माएँक कचकच।
बहुक घेंचाए हाइर

242. मॉए खजए पटा, - घारे बहु आउलेइक
बहुञ खजए गटा गटा गटि भाग कराइन।

243. मानले देब नितर पाथर - मानले सउब ठिक नि हले
कनअ निहिं।

244. मानुस नासाए मुँहे - लगेक बेबहारेइ मान सममान
आर खेड़हा नासाए गुहे

245. माइर ले धाकइ बेसि - गपचउआ काथा कहा।

246. माएँ बेस न खाए बेस - माएक महत बेसि न धनेक।

247. माधेक जाड़ बाघ - माघ मासे हाड़ कुटा जाड़ हेउआ।

248. माछेक माएँ के पुतेक सक, - माछे आर कतेक देरि
आधा साँप आधा बक छउआ बाचातेइन।

249. मिलि मेसि करि काज - सामुहिक कामे असफल हेलउ
हार-जिते नेखेइक लाज कनअ लाज बिज निहि

250. मेघ खजेइत के पानिक संग भेंट - छटे काम करेइत के बड़े काम
हेउआ।

251. मुचिक सारापे काहु डाँगरा मरेइ - छटे लगेक सारापे बेडे लगेक
कनअ नि छिंड़ाइक।

252. मुंहे गुड़ पेटे खुर - बेस काथा कहि धखा करा।

253. राउए चिनहात जाइत, - भासाएँ लग चिनहात।
चरिते चिनहात पांइत

254. राजा गुने राज नसटअ, गिननि गुने धार नसटअ - गुनेइ वनेइक आर बगाड़ेइक।

255. राड़ेक खाना, बालिंइ मुतना - जिनिस के नसटअ करा।

256. राँजाल ठेंगा, माजाल हाथ, जात तअ काहाँ जात - निजेक उपर बिसास

257. रिन लेइके काने सना - समए के नि चिनहा।

258. रूप नाचे सुर गाए - सुंदर आर गलाक सुरेक मेल।

259. रहत सिंगा, लाखा बइना - गरू काड़ाए सिंगा लाभ।

260. रॉड़िक बेटा गमदा - बेजाञ पेआरा।

261. लगनेक खन हागना - काम आउलेइक न आन बाटे गेल।

262. लाजाल बाघे लुलुहा चाटे - नि पारले बाहना करि आन बाटे काथा कहा।

263. लाघाञ घास, ठगाञ पानि - बेसुमार हेउआ।

264. लभे पाप, पापे मरन - बेसि लभिक मरन दसा।

265. लेसल घोर गुहेक छिटका - काम भंग करा।

266. लिलज नाचे भेठर देखे, सात कुल खाए के एक कुल ठेके - सउब सिराए के एंकटाक बड़ाइ।

267. लुटि आना, कुटि खाना - रज कामाइ करा रज खाउआ।

268. लिलज के बाघे डाराइक - लिलज के सभेंए डाराथिन।

269. सअ चासेक एक ताक - चास ताकेक जिनिस।

270. सन रहले साउआ मिलेइक - सांचा रहले सउब पाउआइक।

271. सना रहले कानेक आकाल - धन हले सभे जिनिस पाउआइक।

272. सनाक सांखा, बाँका तबाँका - दामि जिनिसेक बनल सामान कर दाम आहेइक।

273. सउबकाइ ढाकि तअ मए काहे बाकि - सभेंए निजेक निजेक भाभत ला त मएँ काहे निहि।

274. सरने मरन निहिं - सरने गेले सउब माफ।

275. सलगल आइगे घिउएक छिटका - घाउएक उपर नुन।

276. सझ आंगुरे घिउ नि बाहराइक - सझा रहले कनअ काम निहेइक।

277. सांइझेक कुटुम रहि गेल,
बिहानेक कुटुम आउअल गेल
- बिहानेक कुटुम आउअत जात मिनतुक साइझेक कुटुम रहि जात।

278. सात सेतिआक पानी एके ठिन - सभेक एके राए।

279. साअनेक गाछि, माघेक बाछि - समइ कर काम सफल हेइक।

280. सहजल बहरिआ डम घार जाए - मुंड़े उठाए राखा।

281. सांचे आंच किना - करि हेउआल लकेक कनअ कसटअ निहि।

282. सिंदुर ना पिंधअ, बुढ़ा तर मान राखंअ - बेकार कर काम करा।

283. सिआर भुकले कि बादेइर फाटेइक - छटे लगेक काथाक कनअ दाम निहिं।

284. सुमेक धन सएताने खाए बाँचे से आदालते जाए - चिमपुट लगेक धन फालतु खरचे नास हेइक।

285. सेआनेक गुन तिन-ठिन - गड़े हाथे, मुंहे।

286. हाथ गुने मछ बाँका - कामेक अनुसार फल।

287. हाथ कखनअ हाथे ठेलाए - बड़े काम आरामे नि हेइक।

288. हाथि कर दाँत आर मानुस कर बात - दुइअ दुइ किसिमेक।

289. हासन मुँहा बाधन जाए, - केउ चुप रहतला
निमन मुँहा सभे खाए केउ खाते रहतला।

290. हाड़ि कुकुर बाड़ि बाँटे, - माऐक अधिकार हेउआ।
आउआ समधिन घार बाटे

291. हाँड़ि किनथिन ठंकिके, कनेआ करथिन देखिके - देखि सुनि करा।

292. हाँसि हाँसि सरबअ नासि - आनखाइ हँसा खाराब।

293. हेला पुते अटकुरा - आउअल धन गेलेइक।

294. हेतुञ हाथि गिरेइ - बुइधे सउब काम हेइक।

295. हेलाक धन गेला - जतन नि करले नास हेइक।

296. हाथेक आड़े कखनअ चाँद लुकाए - गुन कखनअ नि लुकाइक।

297. हेंठ बाटे बहाए उपर बाटे छाँके जाए - उलटा काम करा।

298. हेंठ मुड़िआ बेड़े एड़िआ - चुप रहा लग बेजाञ दागाबाज।

जान केहनि

1. केरिआ-केरिआ गाइ, केरिआ घास खाए,
डेमका के बासा सुते जाए - नाफित, खुर
2. करिआ बने रहँ लाल पानि पिअँ - ढिला
3. केरिआ चुका धुंध लुका - भाँटा(बेइगन)
4. कादा लेटे-पेटे भंइसि जात
से जाति सात सअ पुति - कमल फुलेक कांदा
5. काठे केरि कठउरि, अलाकेरि ठर,
आघुञ आघुञ बकलि पेछुञ-पेछुञ चर। - हारउआहा
6. किना देखिसला मकें, ठिक लागाल आथु तके,
जिउ मारबे मके, मास खाबथु तके - लासा हिटिंगटिडिंग केरकेट्टा
7. आँत निहिं दाँत निहिं करेइ काटार कुटुर,
हाथ निहिं गड़ निहि चलेइ गाडार- गुडुर - लड़हि
8. आबॅट गरु दॉउअब केसे
गिरल पएना बिछब केसे - बाघ साँप
9. आधा धुर लेगले, मञ आपने जाम - हाथ, भात
10. आए घुंघु जाए घुंघु
पानि के डराए घुंघु - जुता
11. आउ रे गुड़- गाड़ा भाइ,
तके ले भात खाइ - घटि

12. आउ भटकि कराएँ लेबँ
    दुआइरे लेगि पटंकि देबँ - काट बझा

13. उपरे आइग, हेठे अधन - हुका

14. उपाइ मनिक टुपाञ छउआ - ढाइड़ खुखड़ि

15. उपरे खँदा खंदा हेठे आंड़ा - महुआ

16. ऑड़ाक भितरे साँड़हाक डाक - घुँघुर

17. उलुक बुढ़ि दुलुक जाए
    बिना दसे माइर खाए - मादेइर

18. एतिक छुटु चेरेइ टि, गुलि लेखेन पेट
    काहाँ जाहिस गे चेरेइ समुनदरेक हेंठ - गुआ

19. एकटि छउआक गटा गात फुसड़ि - कंठहर

20. एकटि छउआएँ बिहाने उठि के
    चिचि खाम चिचि खाम कहेइ - आलाचिं

21. एकटा ढेलका सात टा उँडु - मुँड़

22. एक थाल सुपारि, गने लागल बेपारि - तारेआ

23. एकटा रगिक हाथ धरलेइ,
    गटा गाँउएक रगिक जर जानाइक - भात

24. एक गाल खाए, पेछुआए पेछुआए जाए - डरा

25. एतना दिन जे मारले जेठा,
    आइज मारले कहबँ बापेक बेटा - पाकल हाँड़ि/ कुम्हार

26. एकेच- पेंकेच- केंकेच काठ,
    ताकर उपर राम भाट - कलहूक घानि

27. एक बिता गाछ टि, छाता रकम पात टि - कुम्हार चाक

28. एक टि छउआ बिहने उठि के
घंसडि बाहराए घंसड़ि सामाए - लुंड़ां

29. एक हाथ बरदा बारह हाथ सिंग
बरदा नाचे हिटिंग-टिडिंग - सिनि

30. खांखड़ा उड़ुञ सामालाक साँप
साँपे कहए मएँ खाँखड़ाक बाप - झारखंडे बहेइरेक लगेक बास

31. गठाइत के एक बरन
उड़राइत के बारह बरन - आंड़ा आर चेनगा

32. गड़े नुपुर कराएँ छउआ - जनहाइर।

33. गाछ चलले जाइक पात गिरले जाइक - पाँज

34. गाछ टाक नाम हिरा,
फरल आहेइक गुड़ बञगन जिरा - महुआ

35. गड़ निहिं हाथ निहिं चलेइ गाड़ार-गुडुर
दाँत निहि मुँह निहि खाइ काटार कुटुर - लड़हि

36. गाछ ले बाहरालि खेंखि
खेंखिञ कहए मर सुधाइ सेखि - मरचि/ मरिच

37. चाइर चउदह, आरअ चाइर, लिहा टंकि
दिहा दाम, मर पुरूसेक एहे नाम। - साठुआ

38. घांस खाइ गबर नाइ - हंसुआ

39. घस-घस घसड़, तिन मुड़ दस गड़ - हार, गरू, हारउआहा

40. छ गड़ आछे, चाइर गड़ बसे

दु गड़ घँसे - माछि

41. छुटु मुटु डभाटि

फुल- फुटे सभाटि - लमफअ

42. जतना बाढ़ेइस अतना छटेहेइस - बाढ़िन

43. जतना टानेइक अतना घटेइक - फिका

44. जाइत के चाँड़ा-चाँड़ि

आउएइत के थिर - बाँध बाटे जाउआ

45. ठुटकु बाढ़िन हिलेइकला,

जाम पाकल गिरेइकला - भेंड़ारिं

46. ठिंग चेरेइआ मुड़ेंइ मांस - भेलउआ

47. डुटकु उपर भुटकु नाचे - टागाँ

48. डुबि- डुबि जाए पुँइछे चारा खाए - सुइ- सुता

49. डुँगरि उपर पिलइ गाछ

बिन बासाते हिलइ गाछ - पुँइछ

50. ढलअ बाबु हाट जाए,

बिना दसें माइर खाए - ढलकि

51. पात चिरा-चिरा फर गेड़ा

जे नि जानए से गुसटि भेड़ा - ऐंडरि/ जाड़ा

52. पान-सुपारि गुआ पान

तिरि पुरूसेक बाइस कान - राबन, मंदअदरि

53. पाँच भाइए हार जतत, दुइ भाइए कारहा - दतुन करा

54. पाँच भाइ पाँचअ मुँड़रा - आँगुर

55. पाँइख निहिं पाखुड़ निहि, भुजए पाड़ए डिम,
रिंग-रिंग-रिंग ताकर दुइ टा सिंग - घंघि

56. बाप-बेटाक एके नाम,
ठुरकु बेटाक भिनु नाम - महुआ, फर, फुल

57. बन ले बाहरालि हाँस
हाँसे कहे मर सुधाइ माँस - काढ़ानिं

58. बन ले बाहरालि खेंखि
खेंखिञ कहए मर सुधाइ सेखि - मरिच

59. बेटि सुंदरि माँए चाबरि - कइर

60. बततिस बरदा माड़ाएँ घुरे
एक एखेइनि उंटके - दाँत, जिभ

61. बिहने चाइर गड़,
दुपहरे दुइ, साइझे तिन - छउआ जुआन बुढ़हा

62. बारह बछरेक खासि एक कुटिआ मास - घंघि/ गेंडहि

63. बाप-बेटाक एके नाम
टुरकु दादाक भिनु नाम - कँउड़ि

64. बाढ़ले एक बिता, नि बाढ़ले एक हाथ - बाड़हिन

65. बन ले बाहरालाक काड़ा
काड़ाँए कहए मके दमं ढाड़हा - बेइल

66. बन ले बाहरालाक मुड़ा
मुड़ाँए कहे मएँ गाउएक माहाजन बुड़हा - पेइला

67. बाघ-बाघिन हार जते कुकुर बुने धान
बनेक बांदर लुंड़ा झाड़े खेड़िआ किसान - दाँत, हाथ, जिभ, पेट

68. भरल बाँधे चाँद गरगराए - गुड़ पिठा

69. भुञ हेठे चलेइ ललअ माँस पाउले कुट करि चाबेइ - चिमटि

70. भरल बाँधे सुइ चलइ - जँक

71. भाँगल घारे नेचनिक नाच - मुँड़ि भाजा

72. भरल बाँधे हाथिक लाद - काछिम

73. मामाक छागेइर छुलेइ गागाए - ढल

74. माएँ चाबरि बेटि सुंदरि - कइर

75. माँए मुंड़रि बेटाक सिंग - भेड़ा

76. माँझ बने घटि टाँगल - बेइल

77. माँझ बने कारहा चले - कंकइ

78. माँझ बने चँउरि घांटल - लहा चिमटि

79. माटिक मादेइर खेड़िका जुंबा
डेगि-डेगि नाचेइ तुंबा - मुड़हि भुंजा

80. मुड़ि काटलउ रकत नाइ - नख

81. माँए तअ झांपाग झुपि
बेटि सुंदरि - मरिच

82. मुरदारेक गड़ आहेइक, बहेइआक नाइ - बेंग साँप

83. माँझ बने काड़ाक चापा - मधु छाप

84. माँझ बने छाता गाड़ल - काडाहनि

85. लक लक डांड़ि चक चक पात

खाइतके मधुरस थुँकेइत के कापास - कतारि/आँखु

86. लहाक गाइ काठेक बाछुर

दुध देइ उछुल पुदुल - घानि

87. लाल बाबु हाट जाए,

बिना दसे माइर खाए - हांड़ि

88. लाल दामड़ा, एक कामड़ा - मरिच

89. लाल ढेपचु लामबा पुँछ

नि जानिस त बाप के पुंछ - डांटि

90. लालि गाइए छालि खाए,

पानि खाले मरि जाए - आइग

91. सर सटका, भुञ पटका - सिघन

92. सात सअ बेइसला, सात सअ रूखना,

ताउ नि काटए आसन बाकला - छांहेइर

93. संञआए देल हाथे मँए झकलँ पाते

किना हेलि किना निहि, मागताक त देबेञ किना

पुछताक त कहम किना - हुल पाखना

94. सुखल बाँधे बकलि हादबादाए - मुड़हि

95. सुखल काठे ढेपचु नाचे - टेंइगला

96. सात सअ भेंइसेक एकटा चापा - मधुछांपा

97. हेरदि कर गाब- गुब पितर कर लटा

जे नि जानए से बांदर कर बेटा - बेल

98. हाड़े गड़े नअ टा एक खांचि पटा - खाटि

99. हिंदे हुंदे जाए
धाड़ाम धाड़ाम काचाड़ खाए - बाछुर

100. हुंकरा गरूक लेढ़िआञ पका - सुइ सुता

101. हामरा दुइ बाप बेटा, तहरा दुइ बाप बेटा,
तिन पिठा गटा गटा - बाप, बेटा नाति

102. हाथ आहेइक गड़ नेखेइक
घेंचा आहेइक मुँड़ नेखेइक - ढेलुआ

103. हुकुड़ कुंबा दुइ टा दुआइर - नाक

104. हुकुड़-डुबुक चेरेइ पांइख
आँख आहेइक त मुंड़ नाइ - खांखड़ा

आन आन-जान केहनि

1. अलपअ ढुकले कांदि उठइ
   गटा ढुकले हांसि उठइ - चुड़ि
2. एकटा गाछेक तिनं टा तरकारि - मुनगा
3. एकटा माचि दुटा लग बसए त सटए नि - सिंग
4. आनेक बेराञ एकटि, बिदाइ बेराएँ दुइटि - दतुन
5. आघुञ आघुञ चलते जाए
   पुँइछे चारा खाए - सुइ सुता
6. आपने डाक्टर, आउअल
   सुइ देके रग देला - भुंसड़ि
7. आंकुआइड़ रे बाकुआइड़ा
   राइते काहे चलिस - सांप
8. सकट घारे दुइटा बांइध,
   सरकाइक त जरकाइक हाथ - गाइ, डल, दुध
9. एक टुकु बाबाजि, पसतु खाए,
   सात दलान भागि के जाए - मुसा
10. सकट बाँधे एकअ कादा नाइ - नाइरकल
11. एकटा गाछे हँसुआ टाँगल - तेतेइर
12. काँखे घेइला माँथाए फुल,
    अकर नइहर दमे धुर - जनहाइर गाछ
13. कन काठे काथा कहए - ढेकि

14. कांचा त लुरू-पुरू पड़ले सिंदुर
जेनि जानए ताकर बाप इंदुर - हाँड़ि
15. काटल भेड़ा मुंड़ उठाए - टिलहा
16. गाइ रहि गेल, पाघा चलिगेल - लत
17. गटा बन पड़िगेल
बुड़हाक भागुआ रहिगेल - डहर
18. गटा गात चलि गेल,
ठेंठि पुँछ रहि गेल - मरचि
19. घार आहेइक दुआइर नि - आंड़ा
20. चाइर टा कुआंक पानि एके ठिन - दुध दुहा
21. छाइन पेरउआक चाइर रंग
टंगे ढुकले एके रंग - पान
22. छुटु मुटु डभा टा माछ भिल-भिल करे
राजाक बेटा गबिनदअ माछ धरते ना परे - भात डबका
23. जाहिस त दे राखे - चाभि
24. जाइत के कुदा कुदि,
आउअइत के थिर - बाँध बाटे जाउआ
25. टिरा सालाक बेड़ि राग - मरचाइ
26. जधा-मधा दुइ भाइ
ठेलि देले चलि जाए - केउआर
27. तिन टा मुड़ घुरनि घुरइ
बुढ़ाक ठेंगा उफड़ि मरइ - माड़ा

28. दादा गेल बिन तेले नाहाए - काड़ा धए

29. दिने सुतइ राइते पाहरा देइ - भुक चुँदि

30. नाथु दादाक छउअटा हाथु दादाएँ लेइ,
एतेक सुंदर छउआ टा पटकि मराइ देइ - सिघन

31. वन गेलि फर खालि,
चेपटा छउआ हेराए आउलि - पाँज

32. बन ले बाहरालि लुति,
लुतिज कहए मएँ भाते मुति - लेबु/ नेबु

33. बाप टेड़हा, माएँ थारि,
बेटि सुंदरि अठे कारि - पारास फुल

मंतरअ

कुड़मी समाजे कए एक रकम कर मंतरअ पाउआइक। पेहिल जुगे जखन डाकटर हॉसपाताल नि रहेइक तखन एहेगाउएँक लगेइ मंतरअ फुँकेइत रहथिन। आर झाड़ेइतर हथिन। एखनअ इ मंतरअ गिला गॉउए घारे आहेइक। मंतरअ फुँका-झाड़इआ के 'अझा, गुनि सखा' कहेइत रहथिन। मंतरअ माहान एकटा बल रहेइत रहेइक जेटाएँ मनअ-बएगानिक असर हेइत रहेइक। मंतरअ लगे 'मनसा पुजाएँ', सिखत। 'सखाएँ', तखन चेला बसाइन। झट करि केउमंतरअ नि देथिन। मंतरअ मटा-मटि - 'गात बाँधा', 'साँप काटा', 'नजर लागा', 'नुन पड़हा', 'जर जाउआ', 'माँए बाहरा', 'जेनि भुला', 'भुत छाड़ा', 'साँड़हा बाँधा', 'आखड़ा बाँधा', 'घार बाँधा' हेन-तेन गिला रहेइकला। ताकर सगें- डाकिनि जगिनि आर डुभि चाला मंतरअउ रहेइकला।

आदि जुगे कुड़मि के रग- बेआदि, असुक बेसुक, मनेक थिथि, नि पाउअले एहे- ''बइध'' अझा, गुनि, सखाइ एखर डाकटर रहत। एहे लगेक, बिसास करि जिबन जापन जाइत रहेइनआर एखर समाजे एखनअ बेजाजनमाल आहेइन। इ गिला आदिम समाजे अलउकिक सकतिके बिसास करि चलेक संसकिरिति रहेइक। मंतरअ गिला गितेक हिसाबे सुर करि आर कखनअ-कखनअ ढाक-ढल बाजाएक संगे मुँह लेक उसरात। इगिला सउब कुड़मालि साहित करे उपकरन हेकेइक।एसे त कुड़मालि लक गित गिलिनेइ मंतरअ कहाइक काहे न जे कनअ नेग-नेगाचार हेइक सभे गिलिने मटा मटि-लक-गित गाउअत आर एहे लक गित गिलाइ हेलेइक मंतरअ तेसने कनअ

घटन- अपघटनेक तेटेंउ मंतरअ जाप आहेइक सभे गिलाइ कुड़मालि साहितेक भितरे आउएइक।

गात बाँधा मंतरअ

1. आंएआ बंदि माएआ बंदि
सरगे पाताले बरहमा बंदि,
फलनति नजर बंदि
फलनति मुँह बंदि।
एक खांड़ चउरासि बान,
माँ भआनि मढ़ा पान
कने गतर बाँधेइ?
गुरु बाँधेइ!
गुरुक आइगाँए मँए बाँधअ
काकर आइगाँए? बुड़हा-बाबा महामात्र
आइगाएँ चाँड़े लाग

नजर लागा

2. मुसलमान काटे सुता, उपरे उठे खि
ता तले बसे पेंचुआ करूस कि
आन रे! झाटार गाछि।
पिठे करि पार

छाड़ बेटा चारा पाँचु
हुकुम आलहाक,
खुदार दहाए! तक छाड़ एइ बार।

साँपे डंङसअ ना कहि

3. टिलहार माटि देबिर बाट
लाग साँपा के ठंठे-ठंठे दाँत!
आब गाते ना फुटे दाँत,
हाथ बाडहाल आहे सिब-संकर नाथ!
हाथ बांरङ, लुहा जारंङ
साँप सापिनि के अधिन करं!
कि खाबे रे साँपा?
हाथ आछे दबि धरमेर पा!
जिबा तर हउक असहाए
दहाए राजा गबिंद चाँद!
मुखे आरिस बंनदअ, आर बंनदअ!
बिसेन लालि!
हा-हा! करे खइस ना भुखे
राजा बंकेर दहाए तके!
थाक साँपा निचुले,
मुखे बाँधेछि, लहार सिकुले!

कार आइगाँए?

माँनसार आइगाए।

बिस झाड़ा मंतरअ

4. राए बरनि इंदरे बरसिऐ जल,
एक खानि घरे बिस आछे थर-थर।
अगरे बसिले जार काछे,
सकल सुनेर बिस उड़िलअ बातासे।
आधएअ बले आमि किछुक ना जानि,
कन घरे बिस तुमार कन घरे पानि,।
आधएअ बसिलअ जार काछे,
सकल सुनेर बस उड़िलअ बातासे।
चंदरिमा, पुरनिमा, सलह कलाए पुसअ,
हर! हर! बिस डमबुर बाए,
सिमुले तुला जे न पअने उड़ाए!
उड़िलअ बिस! पड़िलअ बाए,
चॉउइ बिस नाइ अमकार गाए!
सबाइ बलअ हरि! हरि से मुंडल, बिस करि कुंडल।
बसंत बिस करि धारा, अरे बिस तुइ
हरि सबदे भंडअ,
कुसला हरि-हरि सबाइ बलअ भुखे,
हरि सबदे बिस नाइ एइ तिन भुभअने

जर झाड़ा

5. जर जर नउ जर उँथा जर
रस जर मह जर कुँथ जर
अमलअ जर पिति जर
सरदि जर कड़राक जर
बसनतक जर अनकुट जर
झाड़ि के करलिह पानि
सिब पारबति, सितलाक दहाए!
काकर दहाए? सितला माँएक दहाए।

नुन पड़हा

6. नुन नुन माहानुन
सात समुनदर उतर कनाए,
माला दहे फेकेइतके देलिह नुन!
इ नुन पड़हा दिअइते
नुनुक अंगेक अला उठा
पेट दुखा! पेट मचड़ा।
हेउक जिरानि!
काकर दहाए!
इससर माहादेव, गउरि पारबतिक दहाए।

आखड़ा बाँधा

7. (क) आखड़ा बाँधअ चाइरअ कना,
जेएं बगड़ाए, ताके माटि साना
डाहिन, जुगिन सभेक हिंआ माना
काकर दहाऐ-?
सिब बाबाक दहाऐ।
काम करे पार,।
नि हले खारछार।

7. (ख) आखड़ा बाँधाअ झिनझि काल
गनधअ धुपे सरबस काल
भालअ बिदा दिहिं भाँडारे
तञ ले माञ फुलेक भार
मके दे माञ बिदाक भार
काकर दहाए?
माञ बिसअ हरिक दहाए।

तेल पड़स

8. (क) सुमेरू पाहाड़े दानु बसेइ
अखरा देला तेल पड़हिके,
कन-कन तेल

लमबु तेल, कटरन दिआ
जाहाँ चलेइ पॉचुलिआ
पाँच पिर साआ सअ कलिआ
चबिस मसान ताहुँ नि हेलेइ
अमका कर आउसानं
काकर दहाए!
माञ बिसअहरि जगत कुमारिक दहाए।

8. (ख) हे जगिनि तके डाकउ
आसतिक मुनि,
एकर अंग छाड़िके जाञ
हामर अंग घुरि खजिस
तञ अउम रिंग दुरगा कर रकत खाएँ
एकर अंगअ नि छाड़िस तअ
अउम रिंग रिंग कालि कर तकत खाएँ काकर दहाए!
माञ बिसअहरि जगत कुमारिक दहाए।

छउआ गीत

(1) हिलो हिलो करम राजा
दे माहतो चाउर मिंजा।

(2) एकाम दुकाम तिनेक लाकडुम
डाइहेक डुमेइर तितांउ कारलांउ
हारू गाजु गया गाटा मेझलि।

(3) साग दल दल मदाइल फुल
सिआर गाडहॉए जाम फुल।

(4) आम काठेक ढलकि बनाए दिहा गो
मर छउआ ना कादाएँ दिहा।

(5) बाबु हामर ना काँदाए दिहा गो
बाबु हामर ना काँदाए रिहा,
दिरखाएँ आहेइक पात पड़ा टा
सेटाइ खाउआइ दिहा गो........

(6) कुलहीं कलहीं जल वहें
छाड़ला घाटे घधि रे
देखि छाइला कतेय माद
सुधाए बेङ पहनि रे

(6) गुगुयु पॉड़ुचु पॉइख डल
एतेक राइत काकर छउआ काँदे'
छउआक माएँ के बड़ो रिक लागे,
आखौड़ा सामाइते के नाच लांगे।

(7) उलट घड़ि पालट जाए
छउआ कादोहड घार के जांए।

(8) आठ बॉधेर पात बाँधो दतुन बाँधो
बाबु के बॉधेइ राट पाट
एरेइ बॉस केरिल फुङ फुङ
ससटि मॉए के नमो करे
चरइसा गिरे भादास
मॉऐ खाताक चिचि चिचि
बापे खाताक दुॅबि टा।

(9) राँगा राँगा टुपा बुनि दे
हामर जडि खाजि दे।

(10) छुटु मुटु डुलु छुउआ
पुइछे बाघल सुता रे
हे राम उड़े लागता सरके पाताल जे।

(11) छुटु मुटु टुँगरि
सुधाई पाकल कॅंदरी

देन दादा ठेंगा काटि
बहु जाति बाछुर बागालि।

(12) साम सुदृरी
पाकल कुँदरि
बाबु कर गाल देखि
भाक भक डुमरि।

(13) झिम झिमालो-झिमालो
गिदरा गिदरि खेल लो
हायके नाही देला लो।

(14) बन पेरउआएँ झाँप देइक
गादा घुम पाटा सुना।

(15) ताइ ताइ ताइ.....
बाबू मामा घार जाइ।
मामा घार जाइ
मामाक पिढ़ाञ बसि
मादरि बाजाई।

(16) आउ आउ चाँदो माँए
बाबु के दुध मान आनि देंहि
बाबुञ खाताक टुपुस के।

(17) ताना नाम गित गाउलँ
बुढ़ि छागेइर पाउलँ।
काटि कुटि भाग लागाउलँ
काना भाग पाउलँ।

(18) लालहि माछे कुलहि भुलए
डइड़का माछे डाइड़ धरए
दादा रे सोर माछे सांरगी बाजाए।

(19) आलिम डालिम चेपटि माला
माइर के माइट काके माइर
बाबु के माइर।

(20) आठ काठ रबअ जड़ा
डाके रसिक किड़िर काड़िर घड़ा।

(21) झिंगा फुल भाई कलि कलि
साझेक बेलाएं जाय तहर कुलिह।

(22) एतअ हकु जले, माछ बिल बिल करे,
राजाक बेटा पाथर काटा, माछ धरते लारें।

(23) साग बाड़िए के रे,
हाबु बइसे छे रे
हाबुर धेयाँए कंठि माला

बहु साजल आहि रे,
ए बहु किना तरकारी
आमड़झ पड़ा टकटकी
साग टी सानाति।

(24) असना पातेक दसना
करइआ पातेक दना
दनाए- दनाए मद पिए
हिले कानेक सोना।

(25) उकुन दुकुन पुरन पात
राजा घारे बेइल पात,
खाँखड़ा न कुचिआ
न डम बुढ़ि के छुछिआ।

(26) टुकु पानी, घाघर घानी
इटा काटबॅ,
लहाक जॉजलाए मारबँ।
हिंठे! ना हले ठलकि देबँ।

(27) एकटि तारा, दुइ टि तारा
बामन घारे आरा बारा
दे भउजि कॉड़ धुनुक
चुटिआ मारा चाँइ-चुँइ
चुटिआ गेलि माएँक पास
माएँ देलेइक साँखा साड़ि!

चुटिआ गेलि बापेक पास
बापे देलेइक ठेलकि।
धुर सालाक तेल कि।।

(28) केहनि रे केहनि
केहनिक भाइ सात बेहनि,
चाउर देलेइक कहि के
कहिञ देलेइक भात
भात देलेइक मालिन के
मालिने देलेइक एक डाला फुल
फुल टा छागेइरे खाए देलि।
काहे रे छागेइर खाले? गलाएँ घास निदेइ।
गलिने मॉड़ नि देइ।
काहे गलिन माँड़ नि देसिक? न, छउआ काँदेइ!
काहे छउआ काँदिहा? उटुआँए चाबेइ।
काहे उटआ चाबिहान? घोर आनगाएँ गबर निहिं!
काहे धारे आनगाँए गबर निहि? गरू लादबे नि करत।
काहे गरू नि लादिहा? घॉसे निहीं! काहे घास निहिं?
न पनिए निहिं। काहे पानिए निहिं?
न बेंग नि गागात। काहे बेंग नि गागात?
न साँपे खाए। काहे साँप खाइहान?
हामर एहे आहार।

(29) मर छउआ ना काँदाइ दिहा लअ
आम पातेक ढलकि बाजाए दिहा लअ
मर छउआ ना काँदाए दिहा।

(30) रूपु मर फुफु, छउआ खेलाए देताक
माएनअ मर मसि भात राँधि देताक।
(पानि आनि देताक)

(31) रउद देहिं रे टेटेगंना
नेदि धाइरे केरिआ कुकुर काटि
भागए देबँ, बामल। डहर देखांए देबँ।

(32) इधअ-इधअ पानि,
बन राइजेक कउआ गांगाए
ढाप-ढुप, चाप-चुप।

(33) इचिंग मिचिंग बेल पात
बाडिञ आछे निम गाछ
निम झइर-झइर करे
खाँखड़ा न कुचिआ।

चाइर डाँड़िक - भादरिआ छन्द

1. "बाबुक नदि धारे डेरा रे!
तारे नारे
बाबुक डाँड़ाए घुँघुर बाजे रे
तारे-नारे-रे।"

2. "चाइर कना पखइर कना
कुमनि अड़ा जाए गअ,
तर माछेइर चुना-चुना
बालि मेसा जाए गअ।"

3. "बाड़ि बाटे कड़अ आँड़ा
माछ लागे टेंगअरा
अहे छटअ देउअरा
कन फुले ते बइसलअ भमअरा।"

4. "छुटु मुटु डुलु छुआ
पुँइछे बाँधल सुता रे
हे राम! उड़े लागल
सरगे पाताल जे।"

5. "बेरा ह डुबि गेल
झिंगा फुल फुटि गेल
गाँथु दिदि झिंगा फुल
खँपाए लगाब जे।"

6. "अगइ सिलि राम परबति
फुला लड़हे जाए
एकअ फुला लहड़लि
दुइअ फुला लहड़लि
तिनि फुलाएँ टँकि भरि गेल
अगइ सिलि राम पारबति
फुला लड़हे जाए।"

डॉ. वृंदावन महतो



जन्म : 17 जनवरी 1958
गाँव : बादला (तमाड़),
जिला : राँची (झारखंड)
पिता : स्व. खेत्र महतो
माता : श्रीमती लीलो देवी

कुड़मालि भाषा-साहित्य में डॉ. वृंदावन महतो एक सुपरिचित नाम है। कुड़मालि भाषा-साहित्य, समाज और संस्कृति के विकास के लिए आप पिछले दो दशकों से भी अधिक समय से एक लोकप्रिय लेखक, गायक और कलाकार के रूप में लगातार सक्रिय हैं। अपने लेखों तथा सृजनात्मक गद्य साहित्य के लेखन से आपने कुड़मालि शिष्ट साहित्य को समृद्ध तो किया ही है, उसे एक वैचारिक आवेग भी प्रदान किया है। कुड़मालि भाषा-साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए झारखंड स्वायत्त परिषद् द्वारा 1995 में आप सम्मानित हो चुके हैं। कुड़मालि भाषा के उत्थान के लिए सी. आई. आई. एल., मैसूर एवं न्यू लिंग्विस्टीक सर्वे ऑफ इंडिया, भारत सरकार से जुड़कर आपने महत्वपूर्ण कार्य किया है तथा स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में अब तक आपकी अनेक रचनाएं प्रकाशित हो चुकी हैं।

'कुरमाली लोकगीत : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन', 'चासिक हाल' (अनुवादित नाटक), 'सती सुलोचना' (संपादित) और 'कुड़मालि लक-काथा' प्रकाशित पुस्तकें.

संप्रति आप मारवाड़ी कॉलेज, राँची में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में कुड़मालि के प्राध्यापक हैं और झारखंडी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा व आदिवासी कुड़मी समाज से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

PYARA FOUNDATION
प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन
चेशायर होम रोड, बरियातु, राँची-834009 झारखण्ड

ISBN : 978-93-81056-27-1